The Minister of State in the Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation (Shri Annasahib Shinde): (a) No Sir. The matter is under examination.

(b) and (c). Do not arise.

हिन्दुस्तान शिपयार्ड, विशाखापत्तनम सम्बन्धी जांच समिति का प्रतिवेदन

502. श्री रवि राय :
श्री मधु लिमये :

क्या परिवहन तथा नौवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या हिन्दुस्तान शिपयार्ड विशाखापटनम की स्थिति के बारे में रीयर एडमिरल एम० एम० नन्दा की अध्यक्षता में नियुक्त की गई जांच समिति का प्रतिवेदन सरकार को मिल गया है ;

(ख) यदि हां तो उसकी मुख्य बातें क्या हैं ;

(ग) समिति की सिफारिशों पर क्या कार्यवाही की गई है ; और

(घ) क्या प्रतिवेदन की एक प्रति पटल पर रखी जायेगी ?

परिवहन तथा नौवहन मंत्री (डा० वी० के० आर० वी० राव): (क) जी नहीं ।

(ख) से (घ). प्रश्न नहीं उठता ।

Development of Spots of Tourist Interest in Orissa

503. **Shri S. Kundu:** Will the Minister of Tourism and Civil Aviation be pleased to state:

(a) the programmes for the State of Orissa to attract tourists during the year 1967-68;

(b) the specific spots of tourist interest which the Ministry proposes to develop in the State of Orissa during the Fourth Five Year Plan; and

(c) the financial implications of the proposed programmes for the year 1967-68 and during the remaining years of the Fourth Five Year Plan?

The Minister of Tourism and Civil Aviation (Dr. Karan Singh): (a) to (c). A statement giving required information is appended. [*Placed in Library. See No. LT-224/167*].

केन्द्रीय सहकारी तथा विविध वस्तु भंडार (डिपार्टमेंटल स्टोर)

504. श्री मोहन स्वरूप : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) केन्द्रीय सहकारी तथा विविध-वस्तु भण्डारो के खोलने पर अब तक कितनी राशि खर्च की गई है ;

(ख) उनकी कार्य-प्रणाली क्या है ; और

(ग) क्या ये सभी भण्डार मुनाफे पर चलाये जा रहे हैं ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अन्नासाहब शिन्दे): (क) नवम्बर 1962 में उपभोक्ता सहकारी समितियों की केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजना चालू करने के समय से अब तक केन्द्रीय सहकारी भण्डारो तथा बहु-विभागी भण्डारों को 13.73 करोड़ रुपये की राशि (12.33 करोड़ रुपये ऋण के रूप में तथा 1.40 करोड़ रुपये अनुदान के रूप में) मंजूर की गई है ।

(ख) और (ग). प्रारम्भिक कठिनाइयों के बावजूद भण्डार सन्तोषजनक रूप से कार्य कर रहे हैं । 30 जून 1966 को 224 भण्डार कार्य कर रहे थे । 26 को छोड़ कर सभी भण्डार लाभ में थे और उन्होंने 102 लाख रुपये का लाभ कमाया है । 26 थोक भण्डारों को 9.83 लाख रुपये की हानि हुई ।